अभ्यास पत्रक

पाठ: 4 - पानी रे पानी

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) पाठ के अनुसार, "एक ही सिक्के के दो पहलू" किन्हें कहा गया है?

(क) सूरज और समुद्र को (ख) अकाल और बाढ़ को

(ग) गाँव और शहर को (घ) धरती और गुल्लक को

(ii) कई घरों में नलों के पाइप में मोटर लगवाने का क्या परिणाम होता है?

(क) सभी को बराबर पानी मिलता है (ख) पानी की बचत होती है

(ग) कई घरों का पानी खिंचकर एक ही घर में आ जाता है (घ) पानी की गुणवत्ता सुधर जाती है

(iii) लेखक ने धरती की तुलना किससे की है?

(क) एक सुंदर चित्र से (ख) एक बड़ी गुल्लक से

(ग) एक विशाल समुद्र से (घ) एक बहती नदी से

(iv) "इस बड़ी गलती की सजा अब हम सबको मिल रही है।" - यहाँ किस गलती की ओर संकेत है?

(क) जल-चक्र को न समझना (ख) नलों में मोटर लगवाना

(ग) तालाबों को कचरे से पाटकर समतल बना देना (घ) बेवक्त पानी भरना

(v) 'पानी रे पानी' पाठ के लेखक कौन हैं?

(क) आर. के. मूर्ति (ख) सुमन जैन

(ग) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (घ) अनुपम मिश्र

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) जब नलों में पानी नहीं आता तो कैसी आवाज आती है?

उत्तर- .....

(ii) शहरों में कई चीजों की तरह अब क्या बिकने लगा है?

उत्तर- .....

(iii) धरती की गुल्लक में पानी भरने का काम कौन करते हैं?

उत्तर- .....

(iv) लेखक के अनुसार बरसात के मौसम में मुंबई जैसे बड़े शहरों का क्या हाल होता है?

egyanarchive

उत्तर- .....

(v) भूजल भंडार किससे समृद्ध होता है?

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) पाठ में पानी की कमी से होने वाली किन दो समस्याओं का उल्लेख किया गया है?

उत्तर- .....

.....

(ii) धरती को एक बड़ी गुल्लक क्यों कहा गया है? समझाइए।

उत्तर- .....

.....

(iii) लोगों द्वारा तालाबों को पाट देने के क्या दुष्परिणाम हुए हैं?

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) 'अकाल और बाढ़ एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।' - लेखक ने ऐसा क्यों कहा है? पाठ के आधार पर विस्तार से समझाइए कि इन दोनों समस्याओं का आपस में क्या संबंध है और इनसे कैसे बचा जा सकता है।

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 1)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (ख) अकाल और बाढ़ को

(ii) (ग) कई घरों का पानी खिंचकर एक ही घर में आ जाता है

(iii) (ख) एक बड़ी गुल्लक से

(iv) (ग) तालाबों को कचरे से पाटकर समतल बना देना

(v) (घ) अनुपम मिश्र

2. एक वाक्य में उत्तर:

(i) जब नलों में पानी नहीं आता तो सूँ-सूँ की आवाज आती है।

(ii) शहरों में कई चीजों की तरह अब पानी भी बिकने लगा है।

(iii) धरती की गुल्लक में पानी भरने का काम छोटे-बड़े तालाब और झीलें आदि करते हैं।

(iv) लेखक के अनुसार बरसात के मौसम में मुंबई जैसे बड़े शहर भी बाढ़ में डूब जाते हैं।

(v) तालाबों और झीलों में जमा पानी धीरे-धीरे रिसकर ज़मीन के नीचे जाने से भूजल भंडार समृद्ध होता है।

3. संक्षिप्त उत्तर:

(i) पाठ में पानी की कमी से होने वाली दो समस्याएँ हैं: पहली, नलों में हर समय पानी न आना और लोगों का आपस में झगड़ना। दूसरी, दिल्ली-मुंबई जैसे बड़े शहरों में भी लोगों को भयानक कष्ट होना और देश के कई हिस्सों में अकाल जैसी स्थिति बन जाना।

(ii) धरती को बड़ी गुल्लक इसलिए कहा गया है क्योंकि जिस तरह हम गुल्लक में पैसे जमा करते हैं और जरूरत पड़ने पर निकाल लेते हैं, उसी तरह धरती रूपी गुल्लक वर्षा के कीमती पानी को भूजल के रूप में सहेजती है, जिसे हम बाद में साल भर उपयोग करते हैं।

(iii) लोगों द्वारा तालाबों को पाट देने के यह दुष्परिणाम हुए हैं कि गर्मी के दिनों में नल सूख जाते हैं क्योंकि भूजल रिचार्ज नहीं हो पाता, और बरसात के दिनों में बस्तियाँ डूबने लगती हैं क्योंकि अतिरिक्त पानी को सोखने के लिए तालाब नहीं होते।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर: (i) लेखक ने 'अकाल और बाढ़' को एक ही सिक्के के दो पहलू इसलिए कहा है क्योंकि दोनों ही पानी के कुप्रबंधन का नतीजा हैं। जब हम तालाबों और जलस्रोतों को नष्ट कर देते हैं, तो वर्षा का पानी ज़मीन के अंदर (धरती की गुल्लक में) जमा नहीं हो पाता। इसके कारण भूजल स्तर गिर जाता है और गर्मियों में पानी की भारी कमी हो जाती है, जिसे 'अकाल' कहते हैं। वहीं दूसरी ओर, बरसात के मौसम में वही वर्षा का पानी, जिसे तालाबों में इकट्ठा होकर धीरे-धीरे ज़मीन में रिसना था, अब ज़मीन पर फैलकर विनाशकारी 'बाढ़' का रूप ले लेता है। इस प्रकार, पानी को सहेजने वाली व्यवस्था (तालाब) के अभाव में पानी की कमी (अकाल) और पानी की अधिकता (बाढ़) दोनों ही समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। इनसे बचने का उपाय अपने आस-पास के जलस्रोतों, तालाबों और नदियों की अच्छी तरह रखवाली करना है, ताकि वर्षा का जल संचित हो और भूजल भंडार सुरक्षित रहे।